प्रेस रिलीज

तत्काल प्रकाशन के लिए

फोर्टिस हैल्थकेयर एवं वेफॉरवर्ड ने कार्यस्थल के तनाव दूर करने के मकसद से अनूठे भावनात्मक वेलनेस प्रोग्राम के लिए हाथ मिलाया

तनाव और संबंधित बीमारियों से लड़ने के लिए भारत में पहली बार डिजिटल हेल्थ प्रोग्राम

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 2016: भारत के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाता फोर्टिस हैल्थकेयर तथा डिजिटल, मानसिक एवं भावनात्मक सेहत का खयाल रखने वाली अमरीकी कंपनी वेफॉरवर्ड ने आज दिल्ली में एक खास आयोजन में भारत में ऍप–आधारित वेलनेस प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की है। इस प्रोग्राम के तहत्, तनाव, परेशानी एवं अन्य किसी प्रकार की भावनात्मक या मानसिक स्वास्थ्य जनित रोगों में घर जैसे आराम के साथ इसके अनोखे ''कोच इन योर पॉकेट'' अवधारणा के माध्यम से बगैर किसी शर्मिंदगी के लाखों लोगों की समस्या का समाधान करने के लिए सीबीटी और माइंडफुलनेस की तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। इस मौके पर कई विशेषज्ञ भी मौजूद रहे जिन्होंने तनाव और मौजूदा वक्त में इसके लोगों और संगठनों पर इसके प्रभाव के बारे में बात की।

डॉ. समीर पारेख, डायरेक्टर, मेंटल हेल्थ एंड बिहेवियरल साइंस, फोर्टिस हेल्थकेयर ने कहा, *''मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य से जुड़े मामले उससे कहीं ज्यादा आम हैं जितना कि हमें अनुमान है और आज कमोबेश हर परिवार इनसे प्रभावित है जिससे लोगों और समाज पर काफी बोझ पड़ रहा है। क्लिनिकल अनुभव और शोध आंकड़े दर्शाते हैं कि तनाव से लोगों के परस्पर रिश्तों पर भी बुरा असर पड़ता है और यह सेहत को भी नुकसान पहुंचाता है। मुझे भरोसा है कि यह प्रोग्राम लोगों की सेहत पर सकारात्मक असर डालेगा, इसलिए इससे संगठनों और समाज पर असर पड़ेगा।''*

इस प्रोग्राम को लॉन्च करते हुए श्री भावदीप सिंह, सीईओ, फोर्टिस हेल्थकेयर ने कहा, *''आज के समय में कई लोग अपने पेशेवर जीवन में कई लोग अपने रोजाना के तनाव से पार नहीं पाते हैं। उनके लिए मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना भी मुश्किल होता है क्योंकि वे ऐसा करने में शर्म महसूस करते हैं। भारत ने कई मोर्चों पर काफी तरक्की कर ली है, लेकिन तनाव एवं मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में अभी भी जागरूकता काफी कम है। इस पृष्ठभूमि में, फोर्टिस हैल्थकेयर एवं वेफॉरवर्ड और द्वारा आयोजित यह एचआर कॉन्क्लेव विभिन्न पक्षों को साथ लाने के लिहाज से एक स्वागतयोग्य कदम है। डिजिटल हेल्थ प्रोग्राम हमारी अत्यंत तनावग्रस्त समाज के लिए इनोवेटिव और बेहद जरूरी सॉल्यूशन है।''*

डॉ. नव्या सिंह, फाउंडर, वेफॉरवर्ड एवं शोधार्थी, कोलंबिया यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क ने कहा, *''हमारा मिशन बहुत ही सरल है – यह सुनिश्चित करना कि हर किसी की पहुंच हमेशा मेंटल एवं इमोशनल हैल्थ सपोर्ट तक हो। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमने वैज्ञानिक रूप से स्थापित तकनीकों पर आधारित एक समाधान तैयार किया है जो यूज़र्स को उनके स्मार्टफोन के जरिए उपलब्ध हैं। अमेरिका में वेफॉरवर्ड ऍप का इस्तेमाल करने वालों के साथ हमारा शोध दर्शाता है कि 80 फीसदी से अधिक मामलों में सिर्फ 3 हफ्तों में सुधार देखने को मिला। अध्ययन से यह भी पता चलता है कि मानसिक एवं भावनात्मक सेहत के मामलों के परिणामस्वरूप अधिक खाने, नींद में परेशानी और जीवनशैली से संबंधित समस्याएं सामने आती हैं।''*

सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के आखिर में श्री ऋत्विक सिंह, सीईओ, वेफॉरवर्ड ने कहा, *''हमारी सबसे बड़ी खासियत यानी यूएसपी हमारा अनूठज्ञ प्रॉपरायटरी ऍप एल्गोरिद्म है जो विशेषज्ञों तक सीमित पहुंच की बाधा को दूर करता है। यह प्रोग्राम हाइ क्वालिटी वैलनेस सपोर्ट मुहैया कराता है और इसके माध्यम से विशेषज्ञ भी हरेक व्यक्ति की मदद करने के मुकाबले कहीं अधिक लोगों को लाभ पहुंचा पाते हैं। भारत जैसे देश में यह बात और भी महत्वपूर्ण हो जाती है जहां मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पेशेवरों की भारी कमी है। अमेरिका में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद हम इस कार्यक्रम को तैयार कर रहे हैं और हमारे विशेषज्ञ भारत में उपलब्ध हैं।''*

प्रेस रिलीज

तत्काल प्रकाशन के लिए

भारतीय कर्मचारियों पर टावर्स वाटसन द्वारा किए गए Staying@work survey (2013-14) के एशिया पैसिफिक संस्करण से सामने आया कि प्रत्येक 3 भारतीय नियोक्ताओं में से 1 ने वर्ष 2013 में तनाव या परेशानी से निजात पाने के कार्यक्रमों का आयोजन किया और वर्ष 2014 में भी इतने ही नियोक्ताओं ने ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए। भारत में जीवनशैली से जुड़े जोखिमों में तनाव के सबसे आगे होने की वजह से यह संख्या और भी बढ़ने की उम्मीद थी।[i] भविष्यवाणियां सच साबित हुईं। सोसाइटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट एसएचआरएम द्वारा किए गए हाल के अध्ययन में स्पष्ट हुआ कि बैंकिंग/फाइनेंस क्षेत्र में काम करने वाली एक कंपनी जिसमें औसतन 5,000 कर्मचारी काम करते हों, उसे तनाव से संबंधित मामलों की वजह से उत्पादकता में 100 करोड़ रुपये का नुकसान सहना पड़ता है। 10,000 कर्मचारियों वाली एक आईटी–आईटीईएस कंपनी को तनाव को करीब 50 करोड़ रुपये और करीब 2,000 कर्मचारियों वाली यात्रा एवं आतिथ्य सत्कार वाली कंपनी को 10 करोड़ रुपये से कुछ ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ता है।[ii] प्रत्येक 3 भारतीय नियोक्ताओं में से 1 ने वर्ष 2013 में तनाव या परेशानी से निजात पाने के कार्यक्रमों का आयोजन किया और वर्ष 2014 में भी इतने ही नियोक्ताओं ने ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए। भारत में जीवनशैली से जुड़े जोखिमों में तनाव के सबसे आगे होने की वजह से यह संख्या और भी बढ़ने की उम्मीद थी।[iii] इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकनॉमिक रिलेशंस द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि भारत के तेज आर्थिक प्रसार ने कॉरपोरेट लाभ और कर्मचारियों की आय को तेजी से बढ़ाया है लेकिन इसके साथ ही कार्यस्थल से जुड़े तनाव और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों में भी तेजी से वृद्धि हुई है जिसकी तरफ कम ही भारतीय कंपनियों ने गौर किया है।[iv]

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड के बारे में

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड भारत में अग्रणी एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता है। कंपनी की स्वास्थ्य सेवाओं में अस्पतालों के अलावा डायग्नॉस्टिक एवं डे केयर स्पेश्यलिटी सेवाएं शामिल हैं। फिलहाल कंपनी भारत समेत दुबई, मॉरीशस और श्रीलंका में 54 हैल्थकेयर सुविधाओं (इनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं जिन पर फिलहाल काम चल रहा है), करीब 10,000 संभावित बिस्तरों और 329 डायग्नॉस्टिक केंद्रों का संचालन कर रही है।

वेफॉरवर्ड के बारे में

वेफॉरवर्ड हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड एक तकनीक आधारित इमोशनल वेलनेस कंपनी है जो न्यूयॉर्क और नई दिल्ली से काम करती है। इसकी मुख्य टीम में शोधार्थी, प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक, विशेष कोच और काउंसलर मौजूद हैं जो मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेषज्ञों के निर्देशन में काम करते हैं। कंपनी मानसिक एवं भावनात्मक सेहत से जुड़ी समस्याओं से निजात पाने के लिए वैज्ञानिक रूप से स्थापित कार्यक्रमों की पेशकश करती है जिनमें तनाव और परेशानी शामिल हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमि.	वेफॉरवर्ड	एवियन मीडिया
अजेय महाराज **: +91- 9871798573;** **ajey.maharaj@fortishealthcare.com** टिटूराज कश्यप दास **: + 91-9871918187** **Tituraj.das@fortishealthcare.com**	सिद्धार्थ नौटियाल : **+91-9999120230;** **siddharthan@wayforward.io** रचना दयाल **: +91- 9911995843;** **rachnad@wayforward.io**	रिशू सिंह**, +91-9958891501;** **rishu@avian-media.com** प्रीति सहरावत **: +91- 9711170599;** **preeti@avian-media.com**

[i] http://www.ndtv.com/india-news/indian-employers-rank-stress-no-1-lifestyle-risk-factor-survey-558079

[ii] http://economictimes.indiatimes.com/news/company/corporate-trends/your-stress-has-left-your-companys-earnings-depressed/articleshow/53279624.cms

[iii] http://economictimes.indiatimes.com/news/company/corporate-trends/your-stress-has-left-your-companys-earnings-depressed/articleshow/53279624.cms

[iv] http://www.business-standard.com/article/economy-policy/stress-levels-rising-in-india-inc-survey-109112700063_1.html